SHRI KAPIL VERMA: You see the third column. In it, he is very clearly quoting Mr Neeraj Kumar.

MR. CHAIRMAN: This is a question of interpretation. Your interpretation and his interpretation are different.

SHRI P. CHIDAMBARAM: It is a way of reading the newspaper reports. I have no quarrel with the hon. Member's way of reading the newspaper reports. I still maintain, the matter is under investigation and you will kindly allow me not to disclose bits or pieces of information, as the matter is under investigation.

SHRI KAPIL VERMA: How many Indians are in jail in the US?

MR. CHAIRMAN: That question is a separate one. It does not arise out of it. Next question.

"इस्पात नगरी वायु विकार से पीड़ित" शीर्षक वाला लेख

*442. **श्री शरद यादव :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का ध्यान 28 अक्तूबर, 1987 के नवभारत, रायपुर संस्करण (मध्य प्रदेश समूह) में "इस्पात नगरी वायु विकार से पीड़ित" शीर्षक से प्रकाशित लेख की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस नगर के 90 प्रतिशत लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं ; और

(ग) क्या देश के किसी अन्य भाग के लोग भी इसी प्रकार के उदर-रोग से पीड़ित हैं ; यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जैड० आर० अन्सारी) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) ऐसी कोई सूचना नहीं है ।

श्री शरद यादव : सभापति महोदय, इस विभाग के जो मंत्री जी हैं जिन्होंने यह जवाब देना था वह नहीं है, दूसरे मंत्री जी जवाब दे रहे हैं तो इस पर मेरा विरोध है क्योंकि आज जवाब मुझे भजन लाल जी से पूछना था ।

श्री सभापति : आप तो पुराने मेम्बर हैं, आप जानते हैं ।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : वो डर गये हैं ।

श्री शरद यादव : आप ठीक कह रहे हैं ।

श्री सभापति : ठीक कह रहे हैं या नहीं बाद में तय कर लीजियेगा बाहर जा कर ।

श्री शरद यादव : यह जो जवाब आया है यह बिलकुल ठीक जवाब नहीं है और बगैर जांच के यह जवाब आया है । भिलाई के पूरे अस्पताल—चाहे सरकारी हों या गैर सरकारी हों—आज भी वायु की जो बीमारी है पेट की बीमारी है उदर की बीमारी है उससे पीड़ित लोग वहां पर हैं । इस पर सरकार ने जो अपना जवाब दिया है वह बिलकुल सतही तौर पर दिया है । मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं आपके माध्यम से कि क्या वे अपनी तरफ से निश्चित तरीके से जांच कराएंगे क्योंकि पूरे देश में पानी और वायु के प्रदूषण के सवाल फैला हुआ है और उसको कारगर ढंग से हम लोग कर नहीं पा रहे हैं । मैंने इस सम्बन्ध में एक ऐसा सवाल पहले भी पूछा था उसका जवाब भी इसी तरह से सतही मिला था । भजन लाल जी ने कारगर उपाय यह किया था कि बड़े-बड़े कारखानेदारों के पास नोटिस भेज कर कुछ सख्ती बरतने का जो उनका पुराना परम्परागत काम है उसमें बढोतरी का काम किया था । इसलिए मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या वे इस मामले में एक विशेष जांच कराएंगे क्योंकि अखबारों में इस तरह के समाचार छपे हैं और वहां की सामाजिक और

राजनीतिक संस्थाओं ने भी शिकायत की है। क्या आप जांच कराने का काम करेंगे ?

श्री जैड० आर अंसारी जनाबे वाला, जहां तक वायु से पीड़ित लोगों का सवाल है, उन बीमारियों का सवाल है आप गालिबन इस बात से इत्तिफाक करेंगे कि यह सवाल सीधे-सीधे हेल्थ मिनिस्ट्री का सवाल है। जहां तक यह सवाल है कि अगर वह पीड़ा, अगर वह बीमारी वायु या जल के प्रदूषण की वजह से है तो यकीनन मैं उतने ही हिस्से का जवाब देना चाहता हूं। इस बीमारी का जहां तक सवाल है, जब यह सवाल किया गया तो हमने इस बात की कोशिश की कि वहां के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर से वहां की हेल्थ अथारिटीज से इस बात को मालूम करें और वहां से जो जवाब आये हैं उनकी बुनियाद के ऊपर मैंने यह जवाब दिया था कि कोई इस किस्म की शिकायत नहीं है और वहां पर इस तरह की बीमारी को, जैसी एक आम बीमारी फैली है, उस किस्म की कोई बात नहीं है। जहां तक जल प्रदूषण का सवाल है—जिस लेख का हवाला माननीय सदस्य ने दिया है तो उस लेख में यह बात कही गयी है कि यह जो बीमारी है उस बीमारी की असल वजह जल प्रदूषण है—मैं माननीय सदस्य को और इस माननीय सदन को बताना चाहता हूं कि यह बात सही नहीं है इसलिए कि जो पानी वहां पर इस्तेमाल के लिए वहां के लोगों को दिया जाता है वह विदिन द प्रेस्क्राइब्ड स्टैंडर्ड है और वह बिल्कुल पाल्यूटेड वाटर नहीं है, साफ सुथरा और स्वच्छ पानी है जिसमें कोई बीमारी फैलने का सवाल नहीं है।

श्री शरद यादव : सभापति जी, मैं पुनः मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि उनका जो जांच विभाग है या जिनके द्वारा जांच करा रहे हैं वे ठीक काम नहीं कर रहे हैं, वे उनको दुरुस्त करने का काम करें। इस मंत्रालय के जो मंत्री महोदय हैं श्री भजन लाल जी वे काफी विख्यात आदमी हैं और अच्छा विभाग भी इनको मिला है ... (**व्यवधान**) यह जो प्रदूषण है।

श्री चतुरानन मिश्र : मंत्री महोदय पाल्यूशन की है।

श्री शरद यादव : ऐसा नहीं कह रहा हूं। काफी होशियार और बुद्धिमान आदमी हैं। पाल्यूशन जो है वह जमीन में हो गया है, पानी में हो गया है, वायु में हो गया है, लेकिन पाल्यूशन आजकल इकनामिक, आर्थिक क्षेत्र में भी बहुत फैल गया है और अपने देश से बाहर चला गया है, बोफोर्स सबमैरीन और तमाम तरह से ... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए।

श्री शरद यादव : मैं सवाल पूछ रहा हूं कि यह जो आर्थिक पाल्यूशन फैल रहा है इसको दूर करने के लिए क्या एक नये सिरे से किसी विभाग को यह जिम्मा दिया जायेगा ?

श्री सभापति यह आर्थिक पाल्यूशन के बारे में नहीं है। वह आपको दे दिया है, चलिए। आप जवाब दे रहे हैं क्या।

श्री जैड० आर अंसारी : मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि हम सिर्फ वह पाल्यूशन वायु के, पानी के या अन्य पाल्यूशन को देखते हैं जो सेहत के ऊपर असर-अंदाज होते हैं। अब जहनी पाल्यूशन जो है, दिमागी पाल्यूशन जो है उसको ... (**व्यवधान**)

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव मंत्री जी दिमागी पाल्यूशन को तो नहीं देखते हैं लेकिन इनके मंत्री जी ने दिमागी पाल्यूशन में ज्यादा मशहूरी प्राप्त की है, साइकियाट्री में बोलते होंगे ...। इसलिए मैं आपसे इस सवाल पर यह प्रश्न पूछना चाहता हूं कि यह जब अखबार में निकला... (व्यवधान) "नवभारत" रायपुर संस्करण में निकला तो आपने उस समय इसकी जांच करायी थी कि जो प्रदूषण इस्पात कारखाने से होता है उससे इसमें कुछ असर हुआ है कि नहीं ? यह प्रश्न के पहले है, चूंकि प्रश्न तो निकलने के बाद

हुआ होगा, एक दो महीने चलता होगा। लेकिन जो आपका प्रदूषण विभाग है उन्होंने इस तरह की जाच क्या पहले की है ? मैं इसलिए इस सवाल को पूछना चाहता हूं कि धनबाद ...

श्री सभापति : धनबाद नही आता है।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मैं साफ कर देता हूं।

श्री सभापति : जी नहीं। आप प्रश्न पर रहिए। प्रश्न आपका मैंने समझ लिया है। बस वे जवाब दे रहे है कि आपने इसके पहले पूछा या इसके बाद मे पूछा।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव मैं प्रश्न का बैकग्राउड तो समझा दू।

श्री सभापति : सप्लीमेटरी इज नाट फार बैकग्राउड। दो मिनट हो गये आपके। आप जवाब दे दीजिए।

श्री जेड आर० अंसारी जनाबेवाला जहा तक वाटर और एयर पोल्यूशन का सवाल है, उसकी मानिट्रिंग मुस्तकिल तौर पर, खास तौर पर उन स्ट्रैटेजिक प्वाइंट्स पर, जहा कि पोल्यूशन की सभावना बहुत ज्यादा होती है, हमारे स्टेट पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के द्वारा और सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के द्वारा भी होती रही है।

इस लेख के निकलने और न निकलने से उसके ऊपर कोई असर नही पड़ता। लेख न भी निकलता, तब भी उसकी मानिट्रिंग हम करते है और जो वाटर सप्लाई होता है, उसमें क्या-क्या चीजे है, जो हानिकारक हो सकती है, उनको हम पूरे तौर पर टेस्ट करवाते है और उसकी बुनियाद के ऊपर हम कह सकते हैं कि जो पानी सप्लाई हो रहा है, वह सेफ ड्रिकिंग वाटर है।

श्री धर्मचन्द्र प्रशान्त सभापति जी, मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहूगा कि आपने जो खडन किया है कि इस्पात नगरी में ऐसी कोई बीमारी नहीं है, क्या यह खंडन मध्य प्रदेश सरकार ने भी किया है या केंद्र सरकार का ही ऐसा मत है ?

श्री जेड० आर० अंसारी : मैंने आपसे अर्ज किया कि यह बीमारी का मामला हमसे ताल्लुक नही रखता है। दरहकीकत यह हैल्थ मिनिस्ट्री से ताल्लुक रखता है।

श्री सभापति वह पूछ रहे है कि स्टेट गवर्नमेंट ने कट्राडिक्ट किया है या नही ?

श्री जेड आर अंसारी मै यही अर्ज कर रहा हू—जब वह सवाल आ गया, तो वहा की स्टेट गवर्नमेंट से, वहा के कलेक्टर से, वहा के मेडिकल आफिसर से—उन सब से रिपोर्ट मंगवाई और उसकी ही बुनियाद पर मैने यह जवाब दिया है।

Amendments in FERA

*443 SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1155 given in the Rajya Sabha on the 5th March 1987 and state.

(a) what are the proposals which are at present pending with the Central Government for examination for amending of the Foreign Exchange Regulation Act;

(b) whether Government have since been able to concretise their proposals for further action; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EXPENDITURE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B. K GADHVI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) In order to remove the deficiencies and inadequacies experienced in the administration of the